



संपादकीय

समग्र विकास

संकल्प

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूपी यात्रा का व्यापक महत्व रहा। देश के

मोदी और योगी आदित्यनाथ कटिबद्ध हैं। लखनऊ में उद्योग विकास का संकल्प भी दिखाई दिया। यह संयोग है कि लगभग इसी समय मोदी सरकार ने अपने आठ वर्ष पूरे किए। इस दौरान उत्तर प्रदेश में योगी सरकार को दुबारा जनादेश मिला। डबल इंजन सरकार समग्र विकास की दिशा में कार्य कर रही है। कानपुर देहात के परौंख गांव के लिए भी ऐतिहासिक दिन रहा। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और मुख्यमंत्री एक साथ पहुंचे। डॉ. आंबेडकर और महात्मा गांधी का स्मरण किया। दोनों के चित्तारों पर अमल का संकल्प व्यक्त किया गया। संविधान की भावना के अनुरूप प्रजातंत्र को मजबूत बनाने पर विचार हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर परिवारवाद को स्वरूप प्रजातंत्र के प्रतीकूल बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के युवाओं ने परिवारवादियों को सत्ता से बाहर कर दिया है। अब यह लोग सब एक हो रहे हैं। लोकतंत्र में परिवारवादी पार्टियों से बचने की जरूरत है। देश में मजबूत विपक्ष होना चाहिए, लेकिन इसमें परिवारवाद की बीमारी नहीं रहनी चाहिए। तभी लोकतंत्र मजबूत होगा। गांव के बेटे-बेटी भी राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री बंगे, इसके लिए परिवारवादी पार्टियां से मुक्ति जरूरी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि परौंख में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने एक साथ आकर महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की परिकल्पना को साकार किया है। देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। उत्तर प्रदेश के विकास के लिए अस्सी हजार करोड़ रुपये के निवेश का शुभांग करके सीधे प्रधानमंत्री इस गांव पहुंचे हैं। देश के हर क्षेत्र में परिवर्तन दिख रहा है। उसी का असर है कि परौंख आदर्श और डिजिटल गांव बन गया है। काशी के साथ उत्तर प्रदेश का समग्र विकास हो रहा है। ग्राम परौंख में आजादी के अमृत महोत्सव की शुंखला में मेरा गांव मेरी धरोहर अभियान के अन्तर्गत आयोजित समारोह की झलक सारे संसार ने देखी। राष्ट्रपति अपने पैतृक आवास मिलन केंद्र को सार्वजनिक उपयोग के लिए दान कर चुके हैं। अब यह सामुदायिक मिलन केंद्र के रूप में परिवर्तित हो चुका है। इसमें स्वयं सहायता समूहों की महिला सदस्यों को विभिन्न कार्यों के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री के बाबा साहब के आधुनिक भारत के निर्माण के संकल्प के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त करने पर खुश जताई। राष्ट्रपति ने कहा बाबा साहब मानते थे कि हमारे लोकतंत्र की जड़ें देश की प्राचीन परम्पराओं से ही अपनी जीवनी शक्ति प्राप्त करती हैं। भारतीय संस्कृति पर आधारित समावेशी तथा समरस समाज के निर्माण तथा गरीब, पिछड़े वर्ग के उत्थान के प्रति बाबा साहब जीवन भर संघर्षरत रहे। उनके आदर्शों को जिस प्रकार प्रधानमंत्री ने कार्य रूप दिया है, वह सभी के लिए अनुकरणीय और अपने आप में मिसाल है। मोदी ने कहा कि भारत की आत्मा गांव में बसती है, क्योंकि गांव हमारी आत्माओं में बसता है। भारत के गांव अध्यात्म, आदर्श, परम्पराओं, प्रगतिशीलता संस्कार, सहकार, ममता और समता के प्रतीक होते हैं। अमृत काल में ऐसे ही गांवों का पुनर्गठन, पुनर्जागरण करना हमारा कर्तव्य है। भारत के गांवों में तीव्र गति से सड़कों का निर्माण हो रहा है। ऑप्टिकल फाइबर बिछाया जा रहा है।

મદમાવ સ મુક્ત સમાજ કા નિર્માણ

કિશોર આવાદી

भारत एक आध्यात्मिकता और धार्मिकता का अणखुट खजाना हैज जे भारतीय संस्कृति और सभ्यता का हजारों वर्ष पहले का इतिहास रहा है। जिनकी अदृश्य शक्ति से, कोई हमारे देश का बुरा चाहते हुए भी नहीं कह सकता ! क्योंकि हमारी आध्यात्मिकता और धार्मिकता अदृश्य पूर्वक उनकी कड़ियों को तोड़ देती है ! और उन्हें हैरान कर देती है कि हमारा प्लान सफल क्यों नहीं हो रहा है ! उन असुर शक्तियों को मालूम नहीं कि भारत की मिट्टी में ही संस्कृति, सभ्यता, आध्यात्मिकता और धार्मिकत प्रवृत्ति गॉड गिफ्टेड है। साथियों हम अगर गॉड गिफ्टेड खजाने के उपयोग का प्रयास एक सामंजस्यपूर्ण और समावेशी समाज की दिशा में प्रयास करने की कोशिश करें तो मेरा मानना है कि, हमारे नए भारत की परिकल्पना में मुख्य उद्देश्यों में से एक इस प्रयास का घनिष्ठ सकारात्मक प्रभाव होगा ! और सभी प्रकार के भेदभाव से हम मुक्त होंगे, अनेकता में एकता होगी, नागरिकों को समान अधिकार रूपी मंत्र मिलेगा। साथियों बात अगर हम सामंजस्यपूर्ण समाज की दिशा में प्रयास की करें तो साथियों जिस तरह प्रकृति में सुव्ववस्था, सुसंगति, मौसम चक्रीयता, सामंजस्यता अंतर्दीष्टा है। परंतु !! उसके चक्रीयता में, मानवीय हस्तक्षेप, विरोध हम पैदा करते हैं, परिणाम स्वरूप ! हम जलवायु परिवर्तन के रौद्र रूप में कोई भूगत रखे हैं। सुसंगति, सामंजस्यता तो दुनिया में संपूर्णता पैदा करता है। संबंधों में प्रगाढ़यता आती है, सामंजस्यता या सुसंगति से व्ववस्था शांति प्रशांति समयबद्धता, श्रम संस्कृति, अच्छे संबंध देती हैं। अपेक्षित और वांछनीय परिवर्तनों को त्वरित प्रदान करते हैं। साथियों सामाजिक सद्व्वासन से सुसंगती का अर्थ है समाज के सदस्यों के बीच स्नेहापूर्ण, मैत्रीपूर्ण संबंधों का होना लोगों और वातावरण के साथ सद्व्वापूर्व तथा सामान्य सत्ता के साथ रहने का वैदिक दर्शन साथियों इस कथन से स्पष्ट है कि भारतीय 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना में विश्वास करते हैं जिसका अर्थ है पूरी दुनिया एक परिवार है और उन्होंने हमेशा सार्वभौमिक भाईचारों का प्रचार किया है और दूसरों के साथ शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की वकालत की है। यह उल्लेख करते हुए कि भारतीय सभ्यता ने हमेशा पूरी दुनिया की भलाई के लिए प्रार्थना की है, अनादि काल से, भारत ने अपने ज्ञान, कौशल और प्रथाओं को दुनिया भर के साथ साझा किया है ताकि अन्य भी लाभ उठा सकें।

प्राकृतिक साधनों से कुछ भी मिलता है वह प्रकृति में समाहित

विजय गर्ग
प्रकृति को मानव निर्मित चीजों को छोड़कर सब कुछ के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जिसमें पेड़, पौधे, जानवर, पर्यावरण और वह सब कुछ शामिल है जो मानव निर्मित नहीं है। प्राकृतिक साधनों से हमें जो कुछ भी मिलता है वह प्रकृति में समाहित है। प्रकृति, व्यापक अर्थों में, प्राकृतिक दुनिया, भौतिक दुनिया या भौतिक दुनिया के बराबर है। "प्रकृति" भौतिक दुनिया की घटनाओं को संदर्भित करती है, और सामान्य रूप से जीवन के लिए भी। यह उप-परमाणु तत्वों से लेकर ब्रह्मांडीय उत्पादों तक के पैमाने पर होता है। प्रकृति मानव जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और हमें जीवन के कुछ आवश्यक तत्व जैसे भोजन, पानी, बायु आदि प्रदान करती है। आज प्रकृति को भूविज्ञान के साथ-साथ हमारे आसपास के वन्य जीवन अर्थों में वरीकृत किया गया में प्राकृतिक पर्यावरण या शामिल हैं-जंगली जानवर, जंगल, समुद्र तट, और सभी जो मानव हस्तक्षेप से कानून नहीं बदली हैं, या जो मानव बावजूद बनी रहती हैं यानी से इसके अस्तित्व में मानव भूमिका नहीं है। प्रकृति शब्द "नेचुरा" या "आवाज जन्मजात स्वभाव" से लिया और प्राचीन काल में, इसका अर्थ "जन्म" था। नदुराग फिसिस का लैटिन अनुवाद रूप से आंतरिक विशेषताओं की है जो पौधों, जानवरों और अन्य विशेषताओं से संबंधित हैं अपने स्वयं के विकास में प्रकृति में मनुष्य के आस-पास

आसपास के बन्य जीवन के व्यापक अर्थों में वगीरूट किया गया है। प्रकृति में प्राकृतिक पर्यावरण या जंगल भी शामिल हैं-जंगली जानवर, चट्टानें, जंगल, समुद्र तट, और सामान्य चीजें जो मानव हस्तक्षेप से काफी हद तक नहीं बदलती हैं, या जो मानव हस्तक्षेप के बावजूद बनी रहती हैं यानी सरल तरीके से इसके अस्तित्व में मानव की कोई भूमिका नहीं है। प्रकृति शब्द लैटिन शब्द "नेचुरा" या "आवश्यक गुण, जन्मजात स्वभाव" से लिया गया है, और प्राचीन काल में, इसका शाब्दिक अर्थ "जन्म" था। नटुरा ग्रीक शब्द फिसिस का लैटिन अनुवाद था, जो मूल रूप से आंतरिक विशेषताओं से संबंधित है जो पौधों, जानवरों और दुनिया की अन्य विशेषताओं से संबंधित हैं जो अपने स्वयं के विकास के लिए हैं। प्रकृति में मनुष्य के आस-पास की बहुत

भैन उपयोगों के र भूविज्ञान और भूर्भित करता है। के जीवित पौधों मानन्य क्षेत्र का है, और कुछ स्थानों से जुड़ी जिस तरह से मौजूद हैं और, जैसे कि मौसम और वह पदार्थ भी चीजें बनी हैं। विशिष्ट मानवीय रा करने के लिए ने के व्यवस्थित भाषित किया जा मौजूदा स्रोतों में दुनिये की प्रक्रिया आबादी और मानवीय लालच के कारण दुनिया में भोजन, पानी, ऊर्जा और खानियों की जरूरत दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। जनसंख्या बढ़ि, अनियन्त्रित विकास और जलवायु परिवर्तन के साथ मिलकर ये मार्ग प्राकृतिक पर्यावरण पर और भी अधिक दबाव डाल रही हैं। अपनी भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए, हमें अब इस बारे में बैठकतर निर्णय लेने होंगे कि हम अपनी भूमि और जल की रक्षा, प्रबंधन और विकास कैसे करें। विकास एक प्राकृतिक घटना है, प्रकृति भी विकास का साथ देती है और हर प्राकृतिक चीज विकसित होती है। मनुष्य एक बच्चे से एक बड़े आदमी के रूप में विकसित होता है, छोटे पैदे बड़े पैदों में विकसित होते हैं और इसी तरह, और मूल विचार यह है कि प्रकृति विकास प्रक्रिया का विरोध नहीं करती है, वास्तव में विकास के पक्ष में है बशर्ते

विकास प्रक्रिया को पूरा किया जाए और अन्य संसाधनों को नुकसान पहुंचाए बैठा एक निरंतर स्तर। आज मानव ने विकास के उद्देश्य के लिए हमारे पहाड़ों पर गिरावट की दिखायी दी है और विद्यों के स्थान पर उपलब्ध प्राकृतिक संतोष में से अधिकांश का पाता लगाया है। और लगातार खनन, बुनियादी ढांचे वे विकास, निर्माण और जंगलों को काटने वाले नेतृत्वों द्वारा गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। जो हमारे प्राकृतिक पर्यावरण के लिए एक बड़ा खतरा है। . प्रकृति विकास का समर्थन करती है लेकिन अन्य संसाधनों की कीमत पर नहीं, आज मानव विकास की प्रक्रिया को अंजाम देने के लिए सभी संसाधनों को तापरबाही से समात कर रहा है और इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, इन गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने का भावशयकता है।

चैनल डिवेट की आक्रामकता में धुंधलाता सौहार्द



३५

आता है उन सकारी

आक्रामक, कदृवर्यादो लागा को
बुद्धि पर, जो सूरज के उजाले पर
कालिख पोतने का असफल प्रयास
करते हैं, आकाश में पैबंद लगाना
चाहते हैं और सछिद्र नाव पर सवार
होकर सागर की यात्रा करना
चाहते हैं

पाठ्य ब

हमले करता है, तो समझ जाइये की वह अपनी खिसियाहट मिटा रहा है। जैसे ही वह हिन्दू मुसलमान पर आ टिके तो समझ लीजिए कि वह देश और समाज को समझने में दिरद्रि है, वह विचार से कंगाल है, इसलिए बस इसके पाँछे छिपकर अपनी अज्ञानता पर कुतकाँ का पदां डाल रहा है। इन बहसों और ऐसे मनोवैज्ञानिक प्रभाव से खुद, समाज एवं राष्ट्र को बचाइए, यह सबको बीमार कर देंगी। चैनलों पर होने वाली परिचर्चाएं सुर्गों की लड़ाई बनती जा रही है। समाज का बहुत बड़ा तबका ऐसा भी है जिसे लगता है कि चैनलों पर होने वाली परिचर्चाओं पर पाबन्दी लगायी जानी चाहिए या इनके गिरते स्तर पर नियंत्रण किया जाना चाहिए। यह कैसा विरोधाभास एवं विडम्बना है कि अल्पसंख्यक के नाम पर एक सम्प्रदाय विशेष, वर्ग-विशेष को सारी

$\theta_1 = \theta_2 = 2$

गो जादूगरा ?

सिह तामर, पाटा के प्रदेश प्रभारी महासाचवध अरुण सिह, प्रदेश अध्यक्ष डॉवटर सतीश पूनिया, पूर्व मुख्यमंत्री वसुधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष गुलाबबद्द कटारिया ने संभाल रखी है। वहीं कांग्रेस की कमान पूरी तरह मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हाथ में है। गहलोत किसी भी तरह तीनों प्रत्याशियों को जिता कर अपनी ताकत दिखाना चाहते हैं। इससे वो आलाकमान की नजरों में नबर वन बन जाएंगे। साथ ही सचिव पायलट को भी कमज़ोर करने में सफल होंगे। राजस्थान से राज्यसभा चुनाव लड़ रहे हैं। तीनों ही नेता कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी व प्रियंका गांधी के नजदीकी लोगों में शुमार है। ऐसे में चुनाव जीतने पर यह नेता दिल्ली की राजनीती में मुख्यमंत्री गहलोत की बात का समर्थन करेंगे। इससे गहलोत का पक्ष मजबूत होगा।

चुनावों में कौन जीतता है कौन हारता है इसका सही पता तो नहीं के बाद ही लग पाएगा मगर फिलहाल राजस्थान में राज्यसभा का चुनाव पूरे शब्दाव पर है। सभी प्रत्याशी अपनी-अपनी जीत को लेकर समीकरण बिठाने में लगे हुए हैं।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त नहीं है।)

स्वतंत्र पत्रकार है।

रूपांतरण है, जिसका सीधा सीधा अर्थ होता है प्रजा अथवा जनता द्वारा परिचलित शासन व्यवस्था। किंतु अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की परिभाषा सर्वमान्य रूप से प्रचलित है जिसके अनुसार प्रजातंत्र या लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा, शासन है। उन्होंने इस कथन के तर्क में कहा क्योंकि मैं गुलाम नहीं होना

चाहता, इसालए मुझे शासक भा नहा हाना
चाहिए, यही विचार मुझे लोकतंत्र की ओर
अग्रेषित करता है।

पर लखीमपुर खीरी, सिंधु बॉर्डर और
जशपुर, भोपाल में हिंसक घटनाओं को देखते
हुए लगता है कि सारी की सारी लोकतांत्रिक
व्यवस्था चरमरा गई है और समस्त प्रतिमान
धारासाही हो गए हैं। लखीमपुर खीरी की
विभृत्स घटना जिसमें 7 लोगों को वाहन से
रोड पर कुचल कर मार दिया गया इनमें से
कुछ लोगों को भीड़ ने पीट-पीटकर ही मार

टला खतरा: ऑस्ट्रेलिया-कनाडा के विमानों को खतरे में डाला चीन ने, करीब आए फाइटर जेट

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया और कनाडा ने कहा, चीनी लड़ाकू विमानों

ने दक्षिण चीन सागर में उनके निरानी विमानों को खतरा उत्पन्न कर



दिया था। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्रालय ने बताया, गत 26 मई को अंतर्राष्ट्रीय बायुशंकर में उनके समुद्री निरानी विमान पी-8ए पोसाइडन को चीनी बायुसेन के फाइटर जेट जे-16 ने बेहद करीब आकर खतरनाक ढंग से बाधित किया। कनाडा सरकार ने कहा, चीनी लड़ाकू विमान निरानी के दौरान खतरनाक ढंग से उनके सीपी-140 अंरेप विमान के नजदीक आ गया।

करत के प्रधानमंत्री ने उपराष्ट्रपति एम वैकेया नायदू की अगवानी की, इन मुहूं पर हुई चर्चा

दोहा। उपराष्ट्रपति एम वैकेया नायदू दोहा पहुंचे। करत के प्रधानमंत्री शेख खालिद बिन खलीफा बिन अब्दुल अजीज अल थानी ने दोहा के अमीरों दीवान में उपराष्ट्रपति एम वैकेया नायदू की अगवानी की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अंरिदम बागची ने दृश्य



किया कि दोनों पक्षों ने प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत की और व्यापार, निवेश, आर्थिक और सूक्ष्म सहयोग सहित संबंधों की समीक्षा की। और सूखे खालिद बिन खलीफा बिन अब्दुल अजीज अल सानी से यहां मूलाकात की और दोनों नेताओं ने प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत की तथा व्यापार, निवेश, आर्थिक और सूक्ष्म सहयोग समेत द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की।

विदेश मंत्रालय ने एक वायाप में कहा कि लोगों का आपसी संपर्क भारत और करत के बीच ऐतिहासिक रिश्ते के केंद्र में हैं। करत में 7,50,000 से अधिक भारतीय हैं। दोनों पक्षों के बीच बहुआयामी सहयोग ने आर्थिक, ऊर्जा, निवेश, रक्षा और सांस्कृतिक रिश्तों में अहम बुद्धि देखी है। उसमें कहा गया है कि वित्त वर्ष 2021-22 में द्विपक्षीय व्यापार 15 अरब डॉलर को पार कर गया। करत ने पिछले दो सालों में विप्रवर्ण भारतीय कंपनियों में दो अरब डॉलर से अधिक के निवेश की भी प्रतिबद्धता जताई है।

बिजली संकट से पाकिस्तान में बाहकार, पीएम शरीफ बोले- 24 घंटों में दें इमरजेंसी प्लान

इस्लामाबाद: पाकिस्तान में भारी बिजली संकट के बीच प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अधिकारियों को अगले चौबीस घंटों के भीतर देश में बिजली की लोड शेडिंग को कम करने के लिए एक आपातकालीन यैजन को निर्देश दिया है। देश के विभिन्न हिस्सों में लोड शेडिंग नाराज़करों खालिद बिन खलीफा बिन अब्दुल अजीज अल सानी से यहां मूलाकात की और दोनों नेताओं ने प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत की तथा व्यापार, निवेश, आर्थिक और सूक्ष्म सहयोग समेत द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की।

विदेश मंत्रालय न्यूज़ एंजेसी के मुताबिक, 'शरीफ ने उर्जा, पेट्रोलियम और मंत्रीयों की एक समिति को एक कार्यालयोंने पेश करने का काम सौंपा है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया है कि लोड शेडिंग को धीरे-धीरे कम करने की योजना का प्रभावी कार्यालयन सुनिश्चित किया जाएगा।' रिपोर्ट के मुताबिक, 'बैठक में संघीय मंत्रियों और उच्च स्तरीय अधिकारियों ने भाग लिया, देश के विभिन्न हिस्सों में घंटों की लोड शेडिंग पर चर्चा की, बैठक में लोड शेडिंग की विश्वित की समीक्षा की गई और देश में बिजली के इस्तेमाल में कमी करने के उपायों पर जोर दिया गया।

फ्रंट पर डटे सैनिकों के बीच पहुंचे यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की

कीव। यूक्रेनी राष्ट्रपति वलेंदिमीर जेलेंस्की जापारिन्जिया के वैशिष्ट्य-पूर्वी क्षेत्र में अधिक पक्ष के सैनिकों से मिले। उनके कार्यालय ने रविवार को उत्तरपूर्वी खार्किव क्षेत्र की इसी तरह की यात्रा के एक सप्ताह बाद यह जानकारी दी है।

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक

स्वामी श्री योगी सत्यम एवम्

योग सत्संग समिति द्वारा

विपिन इण्टरप्राइजेज

1/6C माधव कुंज

कटरा प्रयागराज

से मुद्रित एवम् क्रियायोग

आश्रम अनुसंधान संस्थान

झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश

211019 से प्रकाशित।

Title UPHIN 29506

Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com

इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बंधित विवादों का न्याय क्षेत्र कौशल्मी, प्रयागराज होगा।

नाइजीरिया के चर्च में हमलाःप्रेयर के समय अनजान लोगों ने बरसाई गोलियां, 50 की मौत; आंकड़ा और बढ़ सकता है

अबुजा। नाइजीरिया के ओबो शहर के सेट प्राप्सिस चर्च में रविवार को गोलीबारी हुई। पब्लिक रिप्रेजेंटेव एडेलेगेबे टिम्पिलीन ने बताया कि घटना में 50 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की खबर है। कई लोग घायल हुए हैं। अभी मृतकों का आंकड़ा अधिकारिक रूप से जारी नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि कुछ हथियारसंदेश लोग चर्च में घुसे और फायरिंग शुरू कर दी।

प्रेयर के दौरान हुआ हमला स्थानीय समयानुसार यह



घटना दोपहर करीब 11:30 बजे (भारतीय समयानुसार शाम 4:30 बजे) की है। हमला किसने और क्यों किया यह अभी पता नहीं चल सका है। घटना के बाक वहां प्रेयर हो रही थी। पब्लिक रिप्रेजेंटेव एडेलेगेबे टिम्पिलीन ने बताया कि हमलावरों ने प्रेयर कर देकर एक व्यक्ति को बाहर कर लिया है। गवर्नर रोटिमी अकेरेडल ने इस घटना पर शक जाता है। शहर के इतिहास में कभी वीडियो भी सामने आया है। इसमें चर्च में लोग खुन से लथपथ पड़े दिखाई दे रहे हैं, जबकि आसपास के लोग खांख-चिच्छा रहे हैं। नाइजीरियाई मुहम्मद बुहरी ने कहा कि नकर को सोच रखने वालों ने ऐसा विवैना काम किया है और लोगों की जान ले ली है। देश ऐसे नकरी लोगों के सामने कभी नहीं झुकेगा और इनसे जीतकर दिखाएगा। विद्यायक ओलुचोले ने कहा कि ओबो के इतिहास में पहले कभी ऐसी घटना नहीं हुई।

वीडियो भी सामने आया है। इसमें चर्च में लोग खुन से लथपथ पड़े दिखाई दे रहे हैं, जबकि आसपास के लोग खांख-चिच्छा रहे हैं। नाइजीरियाई मुहम्मद बुहरी ने कहा कि नकर को सोच रखने वालों ने ऐसा विवैना काम किया है और लोगों की जान ले ली है। देश ऐसे नकरी लोगों के सामने कभी नहीं झुकेगा और इनसे जीतकर दिखाएगा।

वीडियो भी सामने आया है। इसमें चर्च में लोग खुन से लथपथ पड़े दिखाई दे रहे हैं, जबकि आसपास के लोग खांख-चिच्छा रहे हैं। नाइजीरियाई मुहम्मद बुहरी ने कहा कि नकर को सोच रखने वालों ने ऐसा विवैना काम किया है और लोगों की जान ले ली है। देश ऐसे नकरी लोगों के सामने कभी नहीं झुकेगा और इनसे जीतकर दिखाएगा।

वीडियो भी सामने आया है। इसमें चर्च में लोग खुन से लथपथ पड़े दिखाई दे रहे हैं, जबकि आसपास के लोग खांख-चिच्छा रहे हैं। नाइजीरियाई मुहम्मद बुहरी ने कहा कि नकर को सोच रखने वालों ने ऐसा विवैना काम किया है और लोगों की जान ले ली है। देश ऐसे नकरी लोगों के सामने कभी नहीं झुकेगा और इनसे जीतकर दिखाएगा।

वीडियो भी सामने आया है। इसमें चर्च में लोग खुन से लथपथ पड़े दिखाई दे रहे हैं, जबकि आसपास के लोग खांख-चिच्छा रहे हैं। नाइजीरियाई मुहम्मद बुहरी ने कहा कि नकर को सोच रखने वालों ने ऐसा विवैना काम किया है और लोगों की जान ले ली है। देश ऐसे नकरी लोगों के सामने कभी नहीं झुकेगा और इनसे जीतकर दिखाएगा।

वीडियो भी सामने आया है। इसमें चर्च में लोग खुन से लथपथ पड़े दिखाई दे रहे हैं, जबकि आसपास के लोग खांख-चिच्छा रहे हैं। नाइजीरियाई मुहम्मद बुहरी ने कहा कि नकर को सोच रखने वालों ने ऐसा विवैना काम किया है और लोगों की जान ले ली है। देश ऐसे नकरी लोगों के सामने कभी नहीं झुकेगा और इनसे जीतकर दिखाएगा।

वीडियो भी सामने आया है। इसमें चर्च में लोग खुन से लथपथ पड़े दिखाई दे रहे हैं, जबकि आसपास के लोग खांख-चिच्छा रहे हैं। नाइजीरियाई मुहम्मद बुहरी ने कहा कि नकर को सोच रखने वालों ने ऐसा विवैना काम किया है और लोगों की जान ले ली है। देश ऐसे नकरी लोगों के सामने कभी नहीं झुकेगा और इनसे जीतकर दिखाएगा।

वीडियो भी सामने आया है। इसमें चर्च में लोग खुन से लथपथ पड़े दिखाई दे रहे हैं, जबकि आसपास के लोग खांख-चिच्छा रहे हैं। नाइजीरियाई मुहम्मद बुहरी ने कहा कि नकर को सोच रखने वालों ने ऐसा विवैना काम किया है और लोगों की जान ले ली है। देश ऐसे नकरी लोगों के सामने कभी नहीं झुकेगा और इनसे जीतकर दिखाएगा।

वीडियो भी सामने आया है। इसम